Department of sociology

M A I sociology

Semester II

Paper 2

Qualitative methods in social research

B.M. Wahane

Scanned with CamScanner

Methodology - (1)

Meaning and Nature of Social Research

- सामाजिक शोध का अर्थ एवं परिभाषा -

जब सामाजिक क्षेत्र के प्रश्नों के उत्तर खोजने का या हल करने का क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित प्रयास किया जाता है उसे हि सामाजिक शोध कहते है.

परिभाषा: (1) पी. व्ही यंग :-

सामाजिक शोध एक वैज्ञानिक योजना है जिसका उद्देश्य तार्किक तथा क्रमबद्ध पद्धतियों के द्वारा नवीन तथ्यों का अन्वेषण अथवा पुराने तथ्यों की पुनःपरीक्षा करना,

(2) मोझर :-

" सामाजिक घटनाओं व समस्याओं के सम्बन्ध में नवीन ज्ञान की प्राप्ति के लिए किए गए व्यवस्थित अनुसन्धान को हम सामाजिक शोध कहते है "

(3) बोगार्डस :

" एक साथ रहने वाले लोगों के जीवन में क्रियाशील अन्तर्निहित प्रक्रियाओं का अनुसन्धान ही सामाजिक शोध है "

(4) हिटनी :- समाजशास्त्रीय शोध में मानव-समूह के सम्बन्धों का अध्ययन होता है "

(5) कार्ल पियर्सन :- तथ्यों का वर्गीकरण, उनका क्रम तथा सापेक्ष महत्व खोजना यह विज्ञान का कार्य है।

संक्षिप्त में :-

" सामाजिक शोध यह एक वैज्ञानिक ~~पद्धि~~ पद्धति है जिसके द्वारा सामाजिक घटनाओं; समस्याओं के, कारणों, ~~अन्तसंबंध~~ अन्तर्संबंध; तथा उनमे अन्तर्निहित प्रक्रियाओं का अध्ययन, विश्लेषण, व निरूपण किया जाता है -

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(2)

सामाजिक शोध के उद्देश्य
(Objectives of Social Research.)

- सामाजिक वास्तविकता के बारे में विशुद्ध ज्ञान प्राप्त करना, तथा सिद्धांतों का विकास और विस्तार करना -
- विशिष्ट ~~समस्य~~ समस्याओं का समाधान करना
- प्रचलित एवं वर्तमान सिद्धांतों की पुनः परीक्षा करना,

- पी. वी. यंग, लेजरफिल्ड तथा रोजनबर्ग ने सामाजिक शोध के व्यावहारिक पक्ष पर अधिक महत्व दिया है -

सामाजिक शोध की प्रकृति

1. सामाजिक सम्बन्धों, घटनाओं, तथ्यों व प्रक्रियाओं की व्याख्या करना।
2. सामाजिक सम्बन्धों के बारे में नवीन तथ्यों की खोज करना
- सामाजिक समस्याओं की प्रकृति एवं कारणों का अध्ययन करना.
- प्राचीन तथ्यों का पुनर्परीक्षण व सुधार करना
- वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग.
- सांख्यिकीय विश्लेषण का प्रयोग.

Scanned with CamScanner

सामाजिक शोध के प्रकार

① सेल्टिज, जहोदा, सी.आर. कोठारी आदि ने सामाजिक शोध के मुख्य रूप से चार श्रेणियों में विभाजित किया है।

सामाजिक शोध के प्रकार

- मौलिक या विशुद्ध शोध (Fundamentals or Pure Research)
- व्यावहारिक शोध Applied Research.

② सामाजिक जीवन व घटनाओं के सम्बन्ध में मौलिक सिद्धान्तों का व नियमों का अनुसंधान किया जाता है। इस अनुसंधान का उद्देश्य नवीन ज्ञान की प्राप्ति व वृद्धि तथा पुराने ज्ञान की पुनः परीक्षा द्वारा उनका शुद्धिकरण किया जाता है-

③ व्यावहारिक शोध हमारे व्यावहारिक जीवन में आने-जाने वाली समस्याओं तथा अन्य घटनाओं पर नियंत्रण प्राप्त करने ~~या उनका~~ आदि के लिये इस शोध का अध्ययन किया जाता है-

④ गुडे तथा हट ने क्रियात्मक शोध को महत्व दिया है।

सामाजिक शोध के प्रमुख चरण

Major steps in Social Research.

1. विषय का चुनाव
2. विषय से संबंधित अन्य पुस्तकों का अध्ययन.
3. इकाइयों को परिभाषित करना-
4. प्राक्कल्पना.
5. अध्ययन के लिये उपयोगी पद्धतियों का निर्धारण.

Scanned with CamScanner

(6) तथ्यों का निरीक्षण व संकलन

(7) वर्गीकरण -

(8) निष्कर्ष

सामाजिक शोध की पद्धतियाँ

(1) गुणात्मक पद्धतियाँ
Qualitative Method

(•) सामाजिक धारणाओं को गुणों के आधार पर समझना।

(2) गणनात्मक पद्धतियाँ
Quantitative Method

(धारणाओं को संख्यात्मक दृष्टि से नापा जा सकता).

Exa. (1) साक्षात्कार पद्धति. interview method
(2) वैयक्तिक जीवन अध्ययनपद्धति. Case Study method
(3) अवलोकन व वैयक्तिक पद्धति. (Observation Method).

गणनात्मक पद्धतियाँ:

उदा. (1) प्रत्यक्ष माप :- सांख्यिकीय पद्धति (Statistical method)

(2) अप्रत्यक्ष माप :-

(3) सर्वेक्षण पद्धतियाँ

(3) क्षेत्र अध्ययन पद्धतियाँ

(4) तुलनात्मक पद्धतियाँ

(6) प्रयोगात्मक पद्धतियाँ (7) विकासवादी पद्धति. (8) तुलनात्मक पद्धति.

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

शोध-प्रारुप (संशोधनाचा आराखडा) (Design of Research)

- आराखडा बनविणे म्हणजे कार्ययोजना आखणे होय. आराखड्यामुळे संशोधनामध्ये सुलभता येते. वेळ, शक्ती व पैसा यांचा व्यय होत नाही.

- व्याख्या :-

१) एकॉफ :- " निर्णय क्रियान्वित करण्याची स्थिती येण्यापूर्वीच निर्णय निर्धारित करण्याच्या प्रक्रियेला आराखडा म्हणतात.

२) रसेल लॅक ऑफ :-

" आराखडा म्हणजे विशिष्ट घटनेशी अथवा समस्येशी संबंधित निष्कर्ष प्रस्थापित करण्यासाठी तिचे संशोधन करण्यापूर्वीच संशोधनकार्यातील संभाव्य परिस्थितीच्या संदर्भात आधी निर्णय घेण्याची प्रक्रिया होय.

३) सेल्टिझ, जहोडा, डॉईश व कुक :-

" संशोधनाच्या उद्दिष्टांच्या दृष्टीने निष्कर्षांशी संबंधता व संशोधन कार्यातील मितव्यय ह्यांची जोडणी करून सांगड घालता येईल अशाप्रकारे तथ्यांचे संकलन व विश्लेषण करण्यासाठी आवश्यक त्या अटींची नियोजित व्यवस्था म्हणजे संशोधन आराखडा होय.

आराखड्याचे प्रकार

१) अन्वेषणात्मक किंवा परिचयात्मक (Exploratory or Formulative R.D)
२) वर्णनात्मक (Descriptive)
३) निदानात्मक (Diagnostic)
४) प्रयोगात्मक (Experimental)

Scanned with CamScanner

DATE / /
PAGE NO.
myCOMPANION

① **अन्वेषणात्मक आराखडा.**

उद्देश :→ एखाद्या सामाजिक घटनेच्या मुळाशी असलेल्या कारणांचा शोध घेणे.

उदा. ~~एखा~~ एखादा डॉक्टर :- रोग्यास वेगवेगळे प्रश्न विचारतो.

सेल्टिझ :- अन्वेषणात्मक आराखडा अर्थ अनुभव प्राप्त करून देतो की ज्यामुळे संबंध गृहित कृत्याचे स्पष्टीकरण करण्यास मदत होते.

② – **वर्णनात्मक आराखडा** –

उद्देश :- समस्येशी संबंधित असलेल्या वास्तविक तथ्यांच्या आधारावर वर्णनात्मक विवेचन करणे हा वर्णनात्मक शोध आराखड्याचा मुख्य उद्देश आहे.

या आराखड्यात वैज्ञानिक तंत्राचा वापर करून तथ्ये संकलित केली जातात. उदा. मुलाखत, अनुसूची, प्रश्नावली, प्रत्यक्ष निरीक्षण (सहभागी निरीक्षण), सामुदायिक रेकॉर्ड.

③ – **निदानात्मक आराखडा** – (Diagnostic Research Design)

उद्देश :- सामाजिक समस्येवर उपाययोजना सुचविणे हे निदानात्मक आराखड्याचे उद्दिष्ट होय.

निदानात्मक संशोधनामध्ये प्रथम वैज्ञानिक पद्धतीने एखाद्या समस्येची वास्तविक कारणे शोधली जातात. कारण अशा वास्तविक कारणांचे ज्ञान झाल्याशिवाय त्या समस्येच्या निराकरणाचा उपाय शोधता येत नाही

④ ◉ प्रयोगात्मक अथवा परिक्षणात्मक आराखडा (Experimental Research Des
प्रयोगशाळा पद्धतीचा वापर करून केलेले अध्ययन प्रयोगात्मक संशोधन होय.

चॅपीन च्या मते :- " नियंत्रित अवस्थेत केलेले निरीक्षण म्हणजे प्रयोग होय "

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

DATE / /
PAGE NO
mycompanion

प्रयोगात्मक पद्धतीचे तीन प्रकार आहेत.

1) प्रयोगोत्तर अथवा फक्त मात्रोत्तर पद्धती (After only Experiment)
2) पूर्व पश्चात वा पूर्वोत्तर पद्धती (Before or after Experiment)
3) कार्योत्तर तथ्य परिक्षण अथवा परिणामोत्तर कारणमीमांसा पद्धती (Ex post facto Method)

प्रयोगोत्तर पश्चात परीक्षण आराखडा.

ह्या मापन पद्धतीमध्ये समान विशेष असलेले व समान प्रकृतीचे दोन गट निवडले जातात. एका गटावर नियंत्रण ठेवले जाते आणि दुसऱ्या गटांवर परिणाम घडवून आणला जातो.

पूर्वोत्तर अथवा पूर्वपश्चात मापन प्रयोग.

ह्या मापनपद्धतीमध्ये फक्त एकच गट निवडला जातो आणि त्या गटाचे दोन वेळी म्हणजे प्रयोगापूर्वी व प्रयोगानंतर मापन केले जाते.

उदा. संयुक्त कुटुंबपद्धतीवर औद्योगिकीकरण पूर्व आणि औद्योगिकीकरणानंतर कोणता परिणाम झाला हे लक्षात घेतले जाते.

परिणामोत्तर कारणमीमांसापद्धती -

ह्या पद्धतीमध्ये दोन किंवा अधिक गटांची निवड करण्यात येते. उदा. संशोधकाने दोन भिन्न देशातील परिस्थितीचा अभ्यास केला असता दोन्ही देशातील परिस्थिती राज्यक्रांतीला अनुकूल होती परंतु एका देशात क्रांती घडून आली व दुसऱ्या देशात क्रांती घडून आली नाही या विषयीचा संशोधक शोध घेत असतो. अर्थात वर्तमान स्थिती ही नव्हून भूतकाळाचा शोध घेतला जातो.

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

प्रश्नावली (22)

प्रश्नावली प्रश्नो की एक सूची अथवा क्रमबद्ध तालिका है।

परिभाषा.- गुडे तथा हॉट:

सामान्य रूप से प्रश्नावली से अभिप्राय प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने के उस उपकरण से है जिसमें एक फार्म प्रयोग होता है जिसे उत्तरदाता स्वयं भरता है।

बोगार्डस :-

"प्रश्नावली विभिन्न व्यक्तियों से प्राप्त करने हेतु दी गई प्रश्नों की एक सूची है। यह प्रमाणीकृत परिणामों को प्राप्त करती है जिनका सारणीयन एवं सांख्यिकीय सम्बन्धी उपयोग भी किया जा सकता है।"

प्रश्नावली की विशेषताएँ

(1) सही जानकारी पाने के लिए प्रश्नो की सूची (Set of Questions that will elicit the right Information)

(2) अप्रत्यक्ष पद्धति (Indireet Method)

(3) सूचनादाताओं द्वारा स्वंय भरा जाना. (Filled by respondents)

(4) विस्तृत क्षेत्र का अध्ययन (Study of Wider area)

(5) आँकड़े संकलन करने की शीघ्रतम पद्धति (Quickest method to collect data)

प्रश्नावली के प्रकार

(a) सूचनाओंके आधारपर जी.ए. लुण्डबर्ग ने दो प्रकार बताये है.

अ) तथ्य संबंधी प्रश्नावली (Questionnair of facts)

ब) मत एवं मनोवृत्ति प्रश्नावली (Questionnaire of opinions and attitudes)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

DATE / /
PAGE NO.
my companion

◉ संरचना के आधार पर (On the Basis of Structure)

पी. वी. यंग ने संरचना के आधार पर प्रश्नावली के दो प्रकार स्पष्ट किये है-

अ) संरचित प्रश्नावली :- (Structured Questionnaire)

इस प्रकार के प्रश्नावली मे प्रश्न पूर्व निर्धारित किये जाते है. (अध्ययन के पूर्व)

ब) असंरचित प्रश्नावली (Non-structured Questionnaire)

इस प्रकार के प्रश्नावली में साक्षात्कार कर्ता अपने अनुसार निश्चित क्षेत्र में निश्चित विषय वस्तु के बारे में प्रश्नों की रचना करने की स्वतंत्रता होती है।

◉ प्रश्नो की प्रकृती के आधारपर

प्रश्नावली को चार विभाग में विभाजित किया जाता है.

1) प्रतिबन्धित प्रश्नावली :- (Closed Questionnaire)

इस प्रकार के प्रश्नावली मे प्रश्न बंधित होते है उत्तरदाता को केवल (✓) निशाना लगाना होता है -

◉ 'हाँ' या नही - इस प्रकार प्रश्न के विकल्प होते है -

2) खुली प्रश्नावली :- Open Questionnaire)

इस प्रश्नावली मे इस तरह के प्रश्न का निर्माण किया जाता है जिसका उत्तर असीमित अथवा अप्रतिबन्धित होता है -

◉ इस प्रकार की प्रश्नावली का उपयोग व्यक्ति की राय जानने के लिए किया जाता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

my companion

(3) मिश्रित प्रश्नावली (Mixed Questionnaire)

इस प्रकार की प्रश्नावली में प्रतिबन्धित तथा अप्रतिबन्धित दोनों प्रकार के प्रश्नों को सम्मिलित किया जाता है

(8) चित्रमय प्रश्नावली (Pictorial Questionnaire)

इस प्रकार की प्रश्नावली में प्रश्नों के सम्भावित उत्तर चित्रों द्वारा दिखाये जाते हैं।

प्रश्नावली के गुण (Merits of Questionnaire)

1) विस्तृत क्षेत्र का अध्ययन (Study of wider area)
2) सूचनाओं की शीघ्र प्राप्ति (Quick collection of Data)
3) प्रमाणित एवं स्वतंत्र सूचनाएँ (Valid and free information)
4) प्रश्नावली भरने की सुविधा (Convenient filling up of Questionnaire)
5) सरल प्रविधि (Easy Technique)
6) पुनरावृत्ति सम्भव (Repetition Possible)
7) कम खर्चीली (Less expensive)
8) समय की बचत (Saving of time)

दोष (Demerits)

1) केवल शिक्षितों का अध्ययन सम्भव
2) सूक्ष्म अध्ययनों में अनुपयुक्त
3) अपूर्ण सूचना
4) प्रत्युत्तर की समस्या
5) सार्वभौमिक प्रश्न असम्भव
6) अविश्वसनीयता (सूचनाओं की)
6)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

साक्षात्कार (Interview)

परिभाषा :-

(1) गुडे तथा हॉट :-
" साक्षात्कार मौलिक रूप से सामाजिक अन्तःक्रिया की एक प्रक्रिया है "

(2) सी. ए. मोज़र :- " एक सर्वेक्षण साक्षात्कार, साक्षात्कारकर्ता तथा उत्तरदाता के मध्य एक वार्तालाप है जिसका उद्देश्य उत्तरदाता से निश्चित सूचना प्राप्त करना होता है।

विशेषताएँ

(1) अनुसन्धानकर्ता और सूचनादाता के बीच व्यक्तिगत संपर्क होना अनिवार्य है.

(2) वार्तालाप के लिए दो या दो से अधिक व्यक्तियों का होना अनिवार्य है.

(3) साक्षात्कार एक सामाजिक अनुसंधान की प्रविधि है.

(4) इसके द्वारा सामाजिक जीवन तथा घटनाओं की जानकारी प्राप्त की जाती है.

साक्षात्कार के प्रकार

(1) उत्तरदाताओं की संख्या के आधार पर वर्गीकरण :

अ) व्यक्तिगत साक्षात्कार
ब) सामूहिक साक्षात्कार

(2) संपर्क के आधार पर वर्गीकरण

अ) प्रत्यक्ष साक्षात्कार
ब) अप्रत्यक्ष साक्षात्कार — उदा. टेलीफोन - इंटरनेट .

Scanned with CamScanner

वैयक्तिक अध्ययन
Case Study

- सामाजिक घटनाओं और सामाजिक समस्याओं के बारे में अध्ययन या अनुसन्धान में दो प्रकार की सामग्री संकलित की जाती है -

1) गुणात्मक :- (Qualitative)

2) गणनात्मक/परिमाणात्मक (Quantitative)

- गुणात्मक सूचनाओं का संकलन वैयक्तिक अध्ययन प्रविधि द्वारा किया जाता है।

- समाजशास्त्र में वैयक्तिक अध्ययन का प्रयोग सर्वप्रथम हर्बर्ट स्पेन्सर ने किया है

गणनात्मक विधि	गुणात्मक विधियाँ
सर्वेक्षण	सहभागी निरीक्षण
शोध प्रारूप (आराख्डा)	वैयक्तिक अध्ययन
प्राक्कल्पना (उपकल्पना)	अन्तर्वस्तु अध्ययन
अवलोकन (निरीक्षण), प्रश्नावली	मौखिक इतिहास
अनुसूची, साक्षात्कार	जीवन इतिहास

परिभाषा :-

बीसेन्ज तथा बीसेन्ज :-

" वैयक्तिक अध्ययन गुणात्मक विश्लेषण का एक स्वरूप है, जिसमें कि व्यक्ति, परिस्थिति या संस्था का बहुत सावधानी से संपूर्ण अवलोकन किया जाता है "

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

DATE / / PAGE NO
my companion

वैयक्तिक अध्ययन की विशेषताएँ

1) अध्ययन की विशेष इकाई
2) गुणात्मक अध्ययन
3) गहन अध्ययन
4) कारकों का अध्ययन

वैयक्तिक अध्ययन के प्रकार

1) व्यक्ति का अध्ययन (Study of an Individual)
2) समूह अथवा समुदाय का अध्ययन (Study of Group or Community)

वैयक्तिक अध्ययन में तथ्य संकलन की प्रविधियाँ (Tools and Techniques of Data Collection)

(a) प्राथमिक सूचनाएँ संकलन की प्रविधियाँ
1) साक्षात्कार
2) अनुसूची
3) निरीक्षण

(b) द्वितीयक सूचनाएँ संकलन की विधियाँ
1) डायरियाँ तथा निजी पत्र.
2) जीवन इतिहास

(c) बर्गेस ने वैयक्तिक अध्ययन को सामाजिक सूक्ष्मदर्शक यन्त्र माना है।

(d) थॉमस एवं जनैनिकी ने व्यक्तिगत अध्ययन को व्यक्तियों एवं समूहों के वास्तविक अनुभवों और मनोवृत्तियों तक पहुँचने का उपकरण माना है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

DATE / / PAGE NO

my companion

वैयक्तिक अनुभव की उपयोगिता या गुण

1) गहन या सूक्ष्म अध्ययन
2) इकाई से सम्बन्धित पूर्ण ज्ञान
3) उपकल्पनाओं का निर्माण
5) व्यक्तिगत अनुभव में वृद्धि
4) व्यक्तित्वो का अध्ययन -
6) वर्गीकरण एवं तुलना

वैयक्तिक अध्ययन की सीमाएँ या दोष

1) अस्पष्ट तथा अवैज्ञानिक (Vague and Unscientific)
2) सीमित अध्ययन (Limited Study)
3) दोषपूर्ण सामान्यीकरण (Wrong Generalization
5) पक्षपात (Bias)
4) अप्रमाणित तथ्य (Unverified facts)
4) अत्यधिक आत्म-विश्वास (Over-confidence)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner